

कार्यालय नगर परिषद, आदित्यपुर

परमिट संख्या : 88

दिनांक : 16/1/15

प्रेषित,

- (1) म० दयाल बिल्डर्स
प० श्री सुरेन्द्र पाल सिंह पिता रं० सरदार गुरुदयाल सिंह (भूर्यागी)
Gouri Shankar Road, Jugsalai P.O & P.S-Jugsalai, Jamshedpur.
- (2) श्री लखी कान्त दास पिता रं० परान दास (भूर्यागी)
बडा गम्हरिया

विषय : शर्त नक्शा पारित करने के संबंध में।


उपरोक्त विषयक आपके द्वारा प्लॉट सं० (नया) 539 (A to D) 540,541,542,543 (A,B) (पुराना) 389,390,391 खाता सं० (नया) 949,880 (पुराना) 382,578,579 मौजा : बडा गम्हरिया थाना सं० 06 कुल रकबा 31.53 डी० यार्ड नं० पुराना 11 ए०एम०सी० होल्डींग नं० 81/14-15 पर भवन निर्माण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। भूमि के जॉच के क्रम में प्रस्तावित भूखंडों के बारे में अंचलाधिकारी, गम्हरिया के द्वारा पत्रांक 1334 दिनांक 24.11.2014 एवं पत्रांक 56 दिनांक 16.01.2014 आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार के द्वारा पत्रांक 1013/एडीए दिनांक 29.12.2014 एवं कार्य पालक अभियंता आवास बोर्ड के द्वारा पत्रांक 1687 दिनांक 04.12.14 द्वारा प्रतिवेदन प्राप्त है। प्रतिवेदन के अनुसार भूमि पर भवन निर्माण हेतु आपत्ति नहीं की गई है भूमि का सत्यापन श्री डेविड ओडेया कनीय अभियंता द्वारा किया गया है। याचित राशि और लेबर सेस जमा कर दी गई है। इस भवन प्लान के अनुज्ञापिठारी अभियंता अनुज रंजन जिनका नियमन सं० AMC-E/33 है। जमीन के कागजात कि जॉच श्री मंगल चन्द्र माण्डी कर दरोगा के द्वारा किया गया है। भवन मानचित्र की जॉच, स्थल जॉच एवं तकनीकी जॉच श्री बलीराम पाण्डेय सहायक अभियंता (संविदा पर नियुक्त) श्री कैलाश मिस्त्री (लघु सिचाई पमंडल से प्रतिनियुक्त) एवं श्री डेविड ओडेया कनीय अभियंता नगर परिषद आदित्यपुर द्वारा जांचोपरान्त भवन प्लान पारित करने हेतु अनुशंसा की गई है। तकनीकी पदाधिकारियों के अनुमोदन अंचलाधिकारी, गम्हरिया, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार एवं कार्यपालक अभियंता आवास बोर्ड का जॉच प्रतिवेदन तथा किसी भी प्रकार का आपत्ति प्राप्त नहीं होने के फलस्वरूप Basement (Parking) & Lower Ground (Parking + 39.29 M² Commercial) + Ground Floor to 1st Floor (Commercial) & 2nd Floor to 6th Floor (Residential) के भवन प्लान की औपबंधिक स्वीकृति निम्न शर्तों पर दी जाती है :-

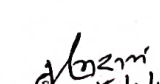
1. भविष्य में यदि यह पाया जाता है कि भूमि का अंतरण एवं स्वत्वाधिकार गलत है तो यह आदेश स्वतः निरस्त माना जायेगा तथा नगर परिषद से किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति का दावा मान्य नहीं होगा। किसी भी स्तर पर भवन अनुज्ञापित रद्द करने का अधिकार कार्यपालक पदाधिकारी को सुरक्षित रहेगा।
2. भवन प्लान की स्वीकृति से आवेदक का प्रश्नगत भूमि पर मू - स्वामित्व का प्रमाण स्थापित नहीं होगा।
3. भवन निर्माण से पूर्व झारखण्ड अपार्टमेंट एक्ट की धारा 7.2(a) के तहत स्वामित्व संबंधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा तथा सक्षम प्राधिकार से संबंधित अनुमति प्राप्त कर लेंगे। उसके संतोषप्रद होने के उपरान्त ही यह आदेश मान्य होगा।
4. स्वीकृत भवन मानचित्र के अनुरूप ही भवन निर्माण करना सुनिश्चित करेंगे बिना विधिवत स्वीकृति के संरचना/प्रकृति में विचलन नहीं करेंगे विचलन की स्थिति में बिल्डिंग बॉयलॉज के प्राक्धानों के अनुरार उक्त भवन अपसारित किया जा सकता है तथा संबंधित अनुज्ञापिठारी अभियंता जो इस कार्य को कर रहे है, उन्हें काली सूची में डाला जा सकता है।
5. भवन निर्माणकर्ता, संबंधित भू-स्वामी तथा अनुज्ञापिठारी अभियंता, जिनके द्वारा भवन प्लान प्रस्तुत किया गया है उनका दायित्व होगा कि स्वीकृत भवन प्लान के अनुरूप ही कार्य करेंगे। स्वीकृत भवन प्लान में यदि किसी प्रकार का संशोधन करना प्रतित होता है तो भविष्य में कार्यपालक पदाधिकारी का अधिकार सुरक्षित रहेगा कि वे स्वीकृत भवन प्लान में संशोधन करेंगे।
6. निर्माण की गुणवत्ता झारखण्ड लोक निर्माण विभाग/भारतीय मानक की विशिष्टियों के अनुरूप होगी। निर्माण कार्य एवं संरचना के सही रूपांतरण एवं इसकी सुरक्षा का दायित्व संबंधित अनुज्ञापिठारी अभियंता के साथ-साथ निर्माणकर्ता की भी होगी।
7. भवन निर्माण में भवन के आगे 4.57 मी० पीछे 4.57 मी० दाहिने तरफ 4.55 मी० तथा बाये तरफ 5.45 to 6.37 मी० छोड़कर भवन का निर्माण कार्य करना होगा तथा भवन की ऊँचाई स्वीकृत 21.17 मी० Ground Coverage 41.15 % F.A.R 1.80 से अधिक नहीं किया जायेगा तथा निर्माणकर्ता को भवन प्लान में दर्शाये गये ड्रेनेज एवं सिस्टम का प्राक्धान स्वयं आवश्यक रूप से करना होगा। भवन के सामने छोड़े गये सेट बैक, भूमि, नगरपालिका के पब्लिक स्ट्रीट के लिये प्रयोग में लाया जा सकेगा। इसपर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य अवेब होगा। नियमानुसार म्युनिसिपल रोड हेतु भूमि छोड़ना अनिवार्य होगा तथापि भवन के पीछे 2.5 मी० का निर्धारित स्थल छोड़ना अनिवार्य होगा।
8. सरकार/नगर परिषद को आवश्यकता होने पर प्रस्तावित भूमि तथा मकान का उचित मुआवजा शु० अर्जन अधिनियम के अन्तर्गत गुगतान कर इसे अर्जन करने का अधिकार होगा। साथ ही आयड/झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड या किसी अन्य प्राधिकार द्वारा मुख्य सड़क तथा भवन स्थल के बीच पड़ने वाले भूमि का अधिग्रहण किया जाना है तो सक्षम प्राधिकार से उसकी अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण कार्य करेंगे तथा इसकी सूचना कार्यालय को देंगे साथ ही प्रदूषण, राजकीय पथ तथा हवाई सुरक्षा, संबंधी प्राधिकारों से अनुमति प्राप्त कर ससमय उपस्थापित करना अनिवार्य होगा।
9. नगर परिषद के निर्देशानुसार पानी निकासी तथा नाली की आवश्यक संरचनात्मक व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। नगर परिषद क्षेत्र में अवस्थित मुख्य नाली से भवन के नाली के संयोजन का दायित्व निर्माणकर्ता तथा अनुज्ञापिठारी अभियंता का होगा। चूंकि यह एक वृहद संरचना है अतः वर्तमान सार्वजनिक नाली तक विधिवत नियमानुसार नाली की व्यवस्था आपको करनी होगी। किसी भी परिस्थिति में गंदा पानी की निकासी उक्त नाली में नहीं करेंगे तथा आवश्यकतानुसार Sewerage Plant स्थापित करने पर किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा तालाब पीने का पानी आदि दूषित न हो इसकी व्यवस्था करना आवश्यक होगा।
10. जल उपलब्धता प्रमाण पत्र दस दिनों के अन्दर करेंगे इसका अनुपालन नहीं करने पर स्वीकृतादेश स्वतः निरस्त माना जायेगा निर्माणकर्ता को समुचित जल आपूर्ति की व्यवस्था स्वयं करनी होगी परन्तु डीप बोरिंग नहीं करनी होगी। निर्माणकर्ता के द्वारा ही पानी आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था करनी है। डीप बोरिंग नहीं कर निम्नप्रकार की व्यवस्था उनके द्वारा की जायेगी।

(A) Shallow boaring (B) Rain water harvesting systems (C) Water supply through WS & S.D


11. मुखण्ड के सामने चाहरदीवारी का निर्माण, लाईटिंग पोल की व्यवस्था, पेवमेंट का निर्माण तथा पेड़ लगाने का कार्य अनिवार्य रूप से भवन उपनियम तथा एन०पी०सी० दिशानिर्देश तथा माननीय न्यायालय तथा अन्य प्राधिकार के द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन करते हुए करना अनिवार्य होगा।
12. निर्माण कार्य के आरम्भ होने की सूचना नगर परिषद आदित्यपुर कार्यालय को देनी होगी तथा प्लैथ/भूमि तल पर कार्य आने के पश्चात् इसकी जांच (दस दिनों के अन्दर) कराने के बाद ही आगे निर्माण कार्य जारी रखा जायेगा। अनुज्ञापिठारी अभियंता के स्तर से कार्य का निरीक्षण प्रतिवेदन 2 माह के अन्तराल पर जमा करना अनिवार्य होगा। इसका अनुपालन नहीं करने पर यह स्वीकृति रद्द कर दिया जायेगा।
13. निर्माणकर्ता को निजी ट्रांसफरमर की व्यवस्था करनी होगी। भवन में विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ध्वनि एवं प्रदूषण रहित पर्याप्त क्षमता का जेनरेटर लगाना होगा।

14. अग्निशमन विभाग के पत्रांक 451 दिनांक 21.11.14 के द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन करना होगा। साथ ही नगर परिषद आदित्यपुर एवं सरकार के द्वारा समय समय पर निर्गत परिपत्रों के द्वारा कोई विशेष निर्देश प्रसारित दिया जाता है तो उसका पालन करना अनिवार्य होगा। वर्तमान में इस गवन निर्माण के साथ-साथ निम्न अग्निशमक सुविधाएँ देनी होगी यथा Access, Means of Escape, Compartmentation, Exit Sign, Extinguishers, Hose Reel, Sprinkler, Over Head Tank, Buster Pump, MCB/ELCB and Fireman's Grounding Switch आदि देना अनिवार्य होगा। साथ ही National Building Code के अनुसार अग्निशमन संबंधित व्यवस्था तथा निर्माण कार्य करना अनिवार्य होगा।
15. Rain Water Harvesting के साथ Ground Water Recharging का प्राक्धान सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा तथा इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। साथ ही निर्गत प्रारंभिक न्याय निर्देशन के अनुरूप कम से कम 50 प्रतिशत Fly Ash Bricks का प्रयोग करना होगा।
16. भवन निर्माण पूर्ण होने पर नियमानुसार विहित प्रपत्र में आवश्यक प्रमाण पत्र के साथ नगर परिषद आदित्यपुर को सूचित करना होगा तथा Occupancy Certificate प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बिना Occupancy Certificate के भवन तथा उसके अंश का प्रयोग न तो भू-स्वामी एवं विल्डर करेंगे तथा न ही किसी अन्य व्यक्ति/क्रेता को इसकी देखल देंगे।
17. निर्माणकर्ता/संरक्षक/स्थलधारी की झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011, आदित्यपुर नगर पर्यटन क्षेत्र में विल्डिंग रॉयल्टी, JUA C.D.P तथा अन्य सुसंगत सरकारी अधिनियमों/परिपत्रों का पालन करना अनिवार्य होगा। नगरपालिका अधिनियम की धारा 441(ii) तथा 444 का अनुपालन प्रतिवेदन कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा यथा लिफ्ट, डस्टवीन आदि की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी होगी। साथ ही धारा 427(v) यदि लागू होता है तो उसका अनुपालन करते हुए प्रतिवेदन देना अनिवार्य होगा। भवन के निर्माण के क्रम में किसी भी प्रकार का दरवाजा तथा खिड़की को इस प्रकार से नहीं बनाया जायेगा, जो राइड पर, राइड के उपर खुलता हो।
18. भवन की दूरी भारतीय इलेक्ट्रीक रूल का अनुपालन करते हुए वोल्टेज लाईन से न्यूनतम दूरी का प्राक्धान रखना अनिवार्य होगा।
19. निर्माण स्थल पर एक बोर्ड लगाना होगा, जिसपर भूमि मालिक का नाम, विल्डर का नाम, पूर्ण पता एवं दूरभाष नं०, प्लॉट का क्षेत्रफल, प्लॉट में कुल निर्मित क्षेत्रफल, नगर परिषद द्वारा नक्शा स्वीकृत करने की तिथि एवं गवन प्लान संख्या, निर्माण कार्य प्रारम्भ होने की तिथि, निर्माण कार्य पूर्ण होने की तिथि एवं प्लॉट स्वीकृत गवन प्लान का नक्शा बोर्ड पर प्रदर्शित करना होगा जिसमें नगर परिषद आदित्यपुर द्वारा स्वीकृत Front Set back, Rear Setback, Both side's setback, car parking, Basement, Lift, Fire Fighting system, पेयजल एवं आपूर्ति के लिए की गयी व्यवस्था (कुल जल की आवश्यकता एवं जल आपूर्ति के लिए लगाये जाने वाले संयंत्रों/उपकरणों के विवरण सहित) परपट रूप से प्रदर्शित करनी होगी साथ ही क्रेता को स्वीकृत गवन प्लान की अभिप्रायित प्रति उपलब्ध करानी होगी।
20. City Development Plan/City Sanitation Plan के अन्तर्गत पर ही गवन का निर्माण कार्य करना अनिवार्य होगा।
21. विकासकर्ता/संरक्षक/स्थलधारी को झारखण्ड आपर्टमेंट सम्पत्ति विनियम एवं स्वामित्व अधिनियम 2011 के अनुकूल विहित सुविधायें निर्मित भवन में प्रदान करनी होगी। निर्माण कार्य के उपरान्त भवन की रजिस्ट्री की सूचना कार्यालय को करना अनिवार्य होगा।
22. माननीय न्यायालय द्वारा रोक लगाई गई विवादित भूमि/सरकारी भूमि/आदिवासी खाता अथवा वैसी अन्य भूमि जो गवन निर्माण हेतु वर्जित हो भूमि आदि पर किसी भी हालत में गवन निर्माण नहीं किया जाएगा तथा इस हेतु राक्षम न्यायालय से पूर्वानुमति आवश्यक होगी। अगर ऐसा होता है तो भवन प्लान रद्द माना जाएगा।
23. विधिक राय के अनुसार उक्त भूमि के स्वत्वाधिकार, अंशदारी का अधिकार, देखल, छोटानागपुर कारतकारी अधिनियम के तहत भूमि के हस्तान्तरण हेतु सुसंगत प्राक्धानों का अनुपालन किये बिना हस्तांतरण, पहुँच पथ वन भूमि, सरकारी भूमि, Water Bodies संबंधी विवाद उत्पन्न होने पर यह आदेश स्वतः रद्द हो जायेगा। ULCA या कृषि भूमि से संबंधित अनुमति आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार राक्षम प्राधिकार से प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। ULCA का अनुपालन तथा कृषि भूमि की स्थिति में यह अनुमति स्वतः रद्द माना जायेगा। सरकारी/शैली तालाब या किसी अन्य व्यक्ति के कागजी तौर पर अधिकार क्षेत्र में) उत्पन्न होने पर स्वीकृत्यादेश स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
24. किसी तृतीय पक्ष के साथ किसी प्रकार के विवाद का निष्पादन संबंधित व्यक्ति रवयें करेंगे इसके लिए प्राधिकार किसी प्रकार से जिम्मेवार नहीं होगा। यदि यह पाया जाता है कि आपके द्वारा तथ्यों को छुपाकर भवन संबंधित परमिट प्राप्त किया गया है तो बिना किसी कारण बताये नगर परिषद, आदित्यपुर को यह अधिकार होगा कि उक्त आदेश को निरस्त कर देंगे।
25. भविष्य में सरकार द्वारा या माननीय न्यायालय द्वारा उक्त भवन के संरचनात्मक परिपेक्ष्य आदि के संबंध में कोई प्रतिकूल आदेश पारित किया जाता है तो उनके द्वारा पारित आदेश प्रभावी होगा एवं यह स्वीकृत्यादेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।
26. भवन में समुचित क्षमता का तड़ित चालक का व्यवस्था करना आवश्यक होगा।
27. सेवाकर एवं वाणिज्य कर संबंधित आवश्यक राशि राक्षम प्राधिकार को जमा करना होगा। जिसकी सूचना कार्यालय को देना अनिवार्य होगा।
28. परमिट निर्गत होने के तीन साल के अन्दर गवन निर्माण कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा। पूर्ण नहीं करने की स्थिति में पूनः अनुमति प्राप्त करना होगा। जिसके लिए विहित शुल्क देना अनिवार्य होगा। साथ ही अगर उक्त प्लान के कारण किसी प्रकार की न्यायिक प्रक्रिया का संचालन होता है तो उसके लिए नगर परिषद, आदित्यपुर दोषी नहीं होगा तथा उक्त वाद के कारण नगर परिषद, आदित्यपुर की होने वाले सम्पूर्ण खर्च का वहन आवेदक के द्वारा किया जायेगा।
29. भवन निर्माण से पूर्व डेवलपर्स प्लान को पंजीकृत कराकर उपस्थापित करना अनिवार्य होगा।
30. भवन निर्माण के क्रम में यदि अनुज्ञापिका अगियंता को बदला जाता है तो इसकी सूचना कार्यालय को 48 घंटे के अन्दर देनी होगी तथा उक्त सूचना के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। किसी भी संस्था द्वारा वित्तीय संपोषण से पूर्व अपने रतार से तथ्यों की जाँच आवश्यक रूप से की जानी होगी। किसी भी प्रकार के वित्तीय घाटे के लिए नगर परिषद जिम्मेदार नहीं होगा।


15-11-15
कनिय अगियंता
नगर परिषद, आदित्यपुर


15/11/15
सहायक अगियंता
नगर परिषद, आदित्यपुर

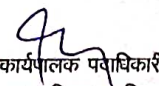

15/11/15
सहायक अगियंता
नगर परिषद, आदित्यपुर


कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद, आदित्यपुर
15-11-15

ज्ञापक 88

प्रतिलिपि : अनुज रंजन अनुज्ञापिका अगियंता को सूचनार्थ प्रेषित। निदेश दिया जाता है कि झारखण्ड म्यूनिसिपल एक्ट 2011 के धारा 431 के तहत प्रासंगिक निरीक्षण प्रतिवेदन ससमय जमा करना सुनिश्चित किया जाय।

दिनांक 16-11-15


कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद, आदित्यपुर
15-11-15